an>

Title: Need to provide a rail link between Varanasi and Gorakhpur via Azamgarh.

श्रीमती नीलम सोनकर (लालगंज) : आदरणीय सभापति महोदया, आप ने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए कोटि-कोटि धन्यवाद और इस संसद में उपस्थित हमारे मंत्रीगण और संसद सदस्य सभी का मैं यहां पर स्वागत करती हूं।

आपके माध्यम से मैं माननीय रेल मंत्री जी का ध्यान बनारस से आजमगढ़ और आजमगढ़ से गोरखपुर के रेल सम्पर्क मार्ग की ओर आकर्षित करना चाहती हूं। बनारस से आजमगढ़ होते हुए गोरखपुर की सड़क मार्ग की दूरी कुल 220 किलो मीटर है जिसकी यात्रा में छः घंटे का समय लगता है। यदि रेल मार्ग सीधा बनाया जाए तो कुल दूरी 130 किलो मीटर की होगी जिसकी यात्रा में अधिकतम दो से ढाई घंटे का समय लगेगा। वहीं वर्तमान रेल मार्ग बनारस से मऊ, सलेमपुर, देवरिया होते हुए गोरखपुर की कुल दूरी 196 किलो मीटर है जिसकी यात्रा में छः से सात घंटे का समय लगता है जिसमें पूर्वांचल का महत्वपूर्ण भाग आजमगढ़ छूट जाता है।

मैं रेल मंत्री जी को बताना चाहती हूं कि बाबा विश्वनाथ जी, गोरखनाथ जी और पशुपतिनाथ जी का दर्शन व पर्यटन करने देश व दुनिया के लाखों-लाख लोग वाराणसी से आजमगढ़ होते हुए गोरखपुर पहुंचते हैं। वहीं सारनाथ से आजमगढ़ होते हुए कुशीनगर लाखों बौद्ध तीर्थ यात्री देश व दुनिया के कोने-कोने से आते हैं। साथ ही, पूरी दुनिया में प्रसिद्ध बनारसी साड़ियों के उद्योग के लिए चर्चित मुबारकपुर, ब्लैक पॉटरी के लिए पूरी दुनिया में प्रसिद्ध निज़ामाबाद, लाल सोना के लिए मशहूर अतरौलिया और फूलपुर का उद्यम यातायात के अभाव और अपेक्षा के चलते दम तोड़ रहा है।

माननीय रेल मंत्री जी, तीन नदियों, तमसा, घाघरा, और राप्ती पर पुल निर्माण के साथ कुल दूरी 130 किलो मीटर रेलमार्ग का निर्माण प्रस्तावित है। इस महत्वाकांक्षी योजना में अधिकतम कुल अनुमानित लागत लगभग एक हजार करोड़ रुपये की आएगी। इस योजना के मूर्त रूप लेते ही पिछड़े पूर्वांचल में विकास, समृद्धि और रोजगार की स्थिति काफी मज़बूत होगी।